भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1835

जिसका उत्तर 05 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है।

.....

प्रमुख नदियों को आपस में जोड़ना

1835. श्री टी. आर. बालू:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ब्रह्मपुत्र, गंगा, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी प्रमुख नदियों को आपस में जोड़ने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस परियोजना से संबंधित कार्य कब तक आरंभ होने की संभावना है;

(घ) क्या सरकार का विचार इस परियोजना को पीएम-गति शक्ति मास्टर प्लान में शामिल करने का है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क) और (ख): भारत सरकार ने 1980 में जल के अधिशेष बेसिनों से कमी वाले बेसिनों/ क्षेत्रों में जल स्थानांतरित करने के लिए नदियों को जोड़ने के लिए एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की। राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी (एनडब्ल्यूडीए) को एनपीपी के तहत नदियों को जोड़ने (आईएलआर) का काम सौंपा गया है। एनपीपी के तहत, 30 आईएलआर परियोजनाओं की पहचान की गई है, जिसमें अन्य बातों के अलावा, मानस (ब्रह्मपुत्र बेसिन का एक उप बेसिन), संकोश, तिस्ता, गंगा, दामोदर, सुवर्णरेखा, महानदी, गोदावरी, कृष्णा, पेन्नार, कावेरी, वैगई और गुंडर नदियों को जोड़ने के प्रस्ताव शामिल हैं। मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा-दामोदर-सुवर्णरेखा-महानदी संपर्क प्रणाली से महानदी को जल उपलब्ध कराने की परिकल्पना की गई है और उसके बाद महानदी-गोदावरी-कृष्णा-पेन्नार-कावेरी-वैगई-गुंडर संपर्क प्रणाली से दक्षिण में जल उपलब्ध कराने की परिकल्पना की गई है। एनपीपी के तहत, आईएलआर परियोजनाओं की विस्तृत स्थिति **अनुलग्नक** में संलग्न है।

महानदी-गोदावरी लिंक और ऊपरी लिंक पर आम सहमति बनने तक, छत्तीसगढ़ राज्य के इंद्रावती उप-बेसिन के लगभग 4189 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) अप्रयुक्त जल को गोदावरी (इंचमपल्ली)-कावेरी लिंक के माध्यम से मोड़ने की परिकल्पना की गई है, जिससे

मौजूदा कमांड के अनुपूरण सहित तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों में लगभग 5.74 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई लाभ प्रदान किया जा सके। परियोजना में कर्नाटक और पुडुचेरी में मालाप्रभा उप-बेसिन की घरेलू और औद्योगिक जरूरतों सहित इन तीन राज्यों की घरेलू और औद्योगिक जरूरतों की मांगों पर भी विचार किया गया है। लिंक परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है और जनवरी, 2024 में परिचालित की जाएगी। विभिन्न परामर्श बैठकों में पक्षकार राज्यों से प्राप्त अनुरोधों के आधार पर गोदावरी बेसिन से 4189 एमसीएम के जल अंतरण के प्रस्ताव को बेदती-वरदा लिंक के माध्यम से कृष्णा बेसिन में पूरकता के प्रस्ताव के साथ जोड़ दिया गया है। भारत सरकार द्वारा पक्षकार राज्यों के साथ परामर्श करके उन्हें आम सहमति पर लाने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं। हालाँकि, लिंक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए आम सहमति पर पहुँचना पक्षकार राज्यों पर निर्भर है।

(ग) उपर्युक्त आईएलआर परियोजनाओं का कार्य कब तक शुरू होने की उम्मीद है, यह संबंधित परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए पक्षकार राज्यों के बीच आम सहमति पर पहुंचने पर निर्भर करता है।

(घ) और (ङ) ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****

अनुलग्नक

"प्रमुख नदियों को आपस में जोड़ना" के संबंध में 05.12.2024 को लोकसभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 1835 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

एनपीपी के अंतर्गत नदियों को आपस में जोड़ने (आईएलआर) परियोजनाओं की स्थिति

प्रायद्वीपीय घटक

क्र.सं	नाम	लाभान्वित राज्य	स्थिति
1	क. महानदी (मणिभद्र) - गोदावरी (दोलाईस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश (एपी) और ओडिशा	एफआर पूरी की गई
	ख. वैकल्पिक महानदी (बरमूल) - रुशिकुल्या - गोदावरी (दौलाईस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश और ओडिशा	एफआर पूरी की गई
2	गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक **	आंध्र प्रदेश	एफआर पूरी की गई
3	क) गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक	तेलंगाना	एफआर पूरी की गई
	ख. वैकल्पिक गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक *	तेलंगाना	डीपीआर पूरी की गई
4	गोदावरी (इंचमपल्ली/एसएसएमपीपी) - कृष्णा (पुलिचिंताला) लिंक	तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूरी की गई
5	क.) कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक	आंध्र प्रदेश	एफआर पूरी की गई
	ख) वैकल्पिक कृष्ण (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमशिला) लिंक *	आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूरी की गई
6	कृष्णा (श्रीशैलम) - पेन्नार लिंक	आंध्र प्रदेश	मसौदा डीपीआर पूरी की गई
7	कृष्णा (अलमट्टी) - पेन्नार लिंक	आंध्र प्रदेश और कर्नाटक	मसौदा डीपीआर पूरी की गई
8	क) पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी	एफआर पूरी की गई
	ख) वैकल्पिक पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक *	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी	डीपीआर पूरी की गई
9	कावेरी (कट्टलाई) - वैगई - गुंडर लिंक	तमिलनाडु	डीपीआर पूरी की गई

10	क. पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक	मध्य प्रदेश (एमपी) और राजस्थान	एफआर पूरी की गई
	ख. संशोधित पार्बती-कालीसिंध-चंबल लिंक (ईआरसीपी के साथ विधिवत एकीकृत)	मध्य प्रदेश और राजस्थान	मसौदा पीएफआर पूरी की गई
11	दमनगंगा-पिंजाल लिंक	महाराष्ट्र	डीपीआर पूरी की गई
12	पार-तापी-नर्मदा लिंक	गुजरात और महाराष्ट्र	डीपीआर पूरी की गई
13	केन-बेतवा लिंक	उत्तर प्रदेश (यूपी) और एमपी	डीपीआर पूरी की गई और परियोजना कार्यान्वयनाधीन है
14	पंबा - अचनकोविल - वैप्पार लिंक	तमिलनाडु और केरल	एफआर पूरी की गई
15	बेदती - वरदा लिंक @	कर्नाटक	डीपीआर पूरी की गई
16	नेत्रवती-हेमवती लिंक @ @	कर्नाटक	पीएफआर पूरी की गई

* मणिभद्र और इंचमपल्ली बांधों पर लंबित सहमति के कारण, गोदावरी नदी के अप्रयुक्त जल को मोड़ने के लिए वैकल्पिक अध्ययन किया गया था और गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुन सागर)-पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) संपर्क परियोजना की डीपीआर पूरी कर ली गई थी। गोदावरी-कावेरी संपर्क परियोजना तैयार की गई है जिसमें गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुनसागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला) और पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) संपर्क परियोजनाएं शामिल हैं।

** गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) संपर्क - यह परियोजना आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई है।

@ बेदती - वरदा संपर्क - डीपीआर अपनी पीएफआर तैयार होने के बाद सीधे तैयार की गई थी, कोई एफआर तैयार नहीं की गई थी।

@@ कर्नाटक सरकार द्वारा येतिनहोल परियोजना के कार्यान्वयन के बाद से आगे के अध्ययन नहीं किए गए हैं, क्योंकि इस लिंक के माध्यम से डायवर्जन के लिए नेत्रावती बेसिन में कोई अधिशेष पानी उपलब्ध नहीं है।

<u>हिमालयी घटक</u>

क्र.सं	लिंक का नाम	देश/राज्यों को लाभ हुआ	ओहदा
1.	कोसी-मेची लिंक	बिहार और नेपाल	पीएफआर पूरी हो गयी है
2.	कोसी-घाघरा लिंक	बिहार, यूपी और नेपाल	एफआर पूरी हो गयी है
3.	गंडक-गंगा लिंक	यूपी और नेपाल	एफआर पूरी हो गयी है
4.	घाघरा-यमुना लिंक	यूपी और नेपाल	मसौदा एफआर पूरी हो गयी है
5.	सारदा-यमुना लिंक	यूपी और उत्तराखंड	एफआर पूरी हो गयी है
6.	यमुना-राजस्थान लिंक	हरियाणा और राजस्थान	एफआर पूरी हो गयी है
7.	राजस्थान-साबरमती लिंक	राजस्थान और गुजरात	एफआर पूरी हो गयी है
8.	चुनार - सोन बैराज लिंक	बिहार और यूपी	मसौदा एफआर पूरी हो गयी है
9.	सोन बांध - गंगा लिंक की दक्षिणी सहायक नदियाँ	बिहार और झारखंड	मसौदा एफआर पूरी हो गयी है
10.	मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक	असम, पश्चिम बंगाल (पश्चिम बंगाल) और बिहार	एफआर पूरी हो गयी है
11.	जोगीघोपा-तीस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी के लिए वैकल्पिक)	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	पीएफआर पूरी हो गयी है (प्रस्ताव छोड़ दिया गया है)
12.	फरक्का-सुंदरबन लिंक	पश्चिम बंगाल	एफआर पूरी हो गयी है
13.	गंगा (फरक्का)-दामोदर-सुवर्णरेखा संपर्क	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड	एफआर पूरी हो गयी है
14.	सुवर्णरेखा-महानदी लिंक	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	एफआर पूरी हो गयी है

डीपीआर- विस्तृत परियोजना रिपोर्ट

पीएफआर- पूर्व व्यवहार्यता रिपोर्ट

एफआर- व्यवहार्यता रिपोर्ट

*****